DR. BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY, AGRA



Volume: 2 Number: 3 July - Sep 2023

Patron:

Prof. Ashu Rani

Vice Chancellor

Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra

Chief Editor:

Prof. Vineeta Singh

Co-Editors:

Dr. Neelam Yadav

Dr. Rajesh Kushwaha

Student Editors:

Ayush Kumar Shukla

Akhil Sharma

Media Team:

Mrs. Pooja Saxena (PRO)

Mr. Deepak Kulshreshtha (Asst. PRO)

Er. Tarun Srivastava (Asst. PRO)

Dr. Swetlana (Asst. PRO)

Dr. Sandeep Sharma (Asst. PRO)

Graphics:

Mr. Abhishek Sharma

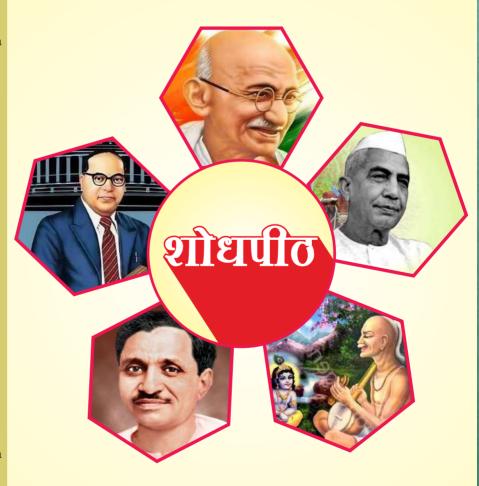
Published By:

Dr. Rajeev Kumar

Registrai

Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra

Website: www.dbrau.ac.in



Vice-Chancellor's Message



Prof. Ashu Rani
Vice-Chancellor

I joined this prestigious Institution with the commitment of steering it on the path to success and perfection, but the University will only succeed in its vision when the students can achieve their potential in terms of all spheres of academic and co-curricular activities.

If the university is to lengthening its vistas of success, it needs the contribution and support of all the investors including the students, the teachers, the staff and the guardians. I wish all of you to join hands to create a milieu where this aspiration is fulfilled.

"Teamwork is the ability to work together toward a common vision. The ability to direct individual accomplishments toward organizational objectives is the fuel that allows common people to attain uncommon results." ~ Andrew Carnegie

Prof. Ashu Rani

Chief Editor's Message

We are delighted to present the fourth issue of "Vishwavidyalaya Darpan," a newsletter dedicated to keeping you informed about the latest developments and activities at the University. The university newsletter showcase ongoing research, innovative webinars, conferences and the remarkable achievements of our students, faculty, and alumni, who continue to bring accolades and recognition to our university. We remain steadfast to nurturing a culture that foster learning, critical thinking, and intellectual curiosity. Thank you for being a part of the university community and for your continued support.

"Many ideas grow better when transplanted into another mind than the one where they sprang up."—Oliver Wendell Holmes

Prof. Vineeta Singh

शोधपीठः एक दृष्टि

समाज एवं राष्ट्र के विकास हेतु आवश्यक है कि सभी संगठन एवं मनुष्य अपना शत प्रतिशत योगदान प्रदान करें। समाज एवं राष्ट्र की उन्नित में कोई भी अपना योगदान प्रदान कर सकता है। जब कोई भी मनुष्य अपना योगदान राष्ट्रोत्थान हेतु देता है तो वह समाज के लिए अनुकरणीय एवं सम्माननीय हो जाता है। ऐसे ही बहुत से मनीषी एवं समाज सुधारक हमारे समाज में हुए हैं जिनके विचार आज भी प्रासंगिक तथा मौलिक हैं, आवश्यकता है कि उनके विचारों एवं लेखों को संजोया जाए तथा आने वाली पीढ़ी को उनके बारे में जानकारी प्रदान की जाए। जब हम ऐसी विभूतियों के बारे में प्रचार—प्रसार करते हैं तो समाज उनके आदर्शों पर चलने का प्रयास करता है। वर्तमान समय में ऐसी विभूतियों के विचारों एवं मतों के बारे में शोध करना एवं समाज को उनके बारे में जानकारी प्रदान करना समाजोत्थान हेतु एक सराहनीय कदम हो सकता है। इसी क्रम में डाॅ० भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में अनेक शोधपीठों की स्थापना की गई थी, जो वर्तमान में भी संचालित हैं।



गांधी अध्ययन केन्द

ध्येय वाक्यः अहिंसा प्रमो धर्मः

समन्वयक-डाॅ० राजेश कुशवाहा

दृष्टि (विज्ञुब)

• गांधी अध्ययन केन्द्र के माध्यम से समाज में गांधी जी के विचारों का प्रचार—प्रसार करने के साथ ही समाज में बंधुत्व एवं भाईचारे की स्थापना करना है, इसके लिए गांधी अध्ययन केन्द्र समय—समय पर विभिन्न शीर्षकों के अन्तर्गत शोध कराना है। इस पीठ के माध्यम से समाज में गांधी जी के विचारों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। गांधी अध्ययन पीठ का यह प्रयास है कि समाज के युवा वर्ग गांधी जी के इतिहास एवं दर्शन को जाने व समाज को दिशा प्रदान करें।

उद्देश्य (मिशन)

- 1. गांधी अध्ययन केन्द्र के माध्यम से समय—समय पर विचारगोष्ठी, सेमीनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा जिससे समाज में लोगों के मध्य गांधी जी के विचारों को अधिक से अधिक प्रसारित किया जा सके।
- गांधी जी के विचारों को समाज के सम्मुख प्रस्तुत करना एवं लोगों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना।
- गांधी अध्ययन केन्द्र के माध्यम से विभिन्न प्रकार के कोर्स शुरूआत करना। जो गांधी जी के जीवन एवं विचारों से संबंधित होंगें। विद्यार्थी उन कोर्सो में अध्ययन कर गांधी जी

- के जीवन दर्शन एवं सिद्धांतों की जानकरी प्राप्त कर सकेगें एवं समाज में प्रचारित कर सकेगें।
- 4. समाज को विश्वबंधुत्व एवं भाईचारे की प्रेरणा प्रदान करना एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन करना। गांधी जी के जीवन दर्शन एवं उनके कार्यों के बारे में विद्वतजनों के शोधालेखों पर आधारित पुस्तक प्रकाशित करना।
- 5. गांधी अध्ययन केन्द्र द्वारा एक समृद्ध पुस्तकालय की स्थापना करना, जिसमें गांधी जी से संबंधित विभिन्न पुस्तकों, पत्र—पत्रिकाओं एवं शोध अध्ययनों को रखने का प्रयास किया जायेगा जिससे भविष्य में आयोजित होने वाले शोध अध्ययनों को सहायता प्राप्त हो।

पीठ द्वारा संपन्न कार्यक्रम

 30 जनवरी, 2024 को गांधी जी की पुण्यतिथि पर समाज विज्ञान संस्थान में स्थापित गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गयी जिसमें विश्वविद्यालय के कुलसचिव, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र—छात्रायें उपस्थित रहे।













Dr. Bhimrao Ambedkar Peeth (Ambedkar Chair)

Coordinator-Prof. Ranvir Singh

Dr. Bhimrao Ram Ji Ambedkar (1891-1956), fondly known as Babasaheb, is one of the most illustrious sons of India and a great National Leader. He is considered the champion of the Dalit cause, an erudite scholar, an extraordinary statesman, and a visionary who contributed greatly to the building of modern India. Dr. Ambedkar left an indelible impression in the history of India as a 'messiah' who unfettered the oppressed masses and secured human rights for millions of weaker and oppressed classes that were path-breaking in essence and strived towards the monumental endeavors of freedom. He was the chief architect of the Constitution of India, wherein Babasaheb left emancipatory provisions for the justice and empowerment of the oppressed classes. He symbolized the struggle for justice and empowerment of the weaker and downtrodden population in India and laid the foundation stones for building a just society. Babasaheb's groundbreaking ideas led to the formation of the Reserve Bank of India during

British rule. As a labour leader, he promoted the revolutionary idea of a 'fair condition of life of labour' as opposed to a 'condition of work', which provided the outline of the future labour laws in India. Babasaheb was also a champion of the cause of gender parity. He initiated reforms for lessening working hours to 48 hours per week, removed the ban of engaging women in various forms of employment, and coded the principle of 'equal pay for equal work' irrespective of gender. His idea of the Hindu Code Bill was emancipatory. Babasaheb also left a lasting impression as a social reformer through his role in movements like Mahad Satyagraha, the Anti-Khoti movement, and the Dalit Buddhist movement.

• Dr. Bhimrao Ambedkar Peeth (Chair) was established in the year 1997 by the U.P. Govt. (Letter No. 2063/15 (ড.মি.4) Dated 19.06.1997) for achieving the following objectives.

Objectives:

1. To provide a well-equipped Centre of learning for intellectuals, academicians, and students to undertake studies and research to understand, assess, and disseminate ideas and thoughts of Dr. Bhimrao Ambedkar, particularly on subjects like Economics, Political Science, Religion, Philosophy, Constitutional Studies, Education, Social Work, Human Rights as well as other disciplines considered relevant for the attainment of our National Goal of Social Justice and Empowerment.

2. To conduct research and higher studies vis-à-vis the socio-economic and cultural life as well as the biological aspects of the marginalized /oppressed groups or backward classes or weaker sections of the society.

Functions:

- 1. To serve as a Centre of learning and research not only on the subjects concerning Dr. Ambedkar's Works and Philosophy but also on the issues concerning the socio-economic and cultural life of Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Minorities, Backward Classes, and other Weaker Sections of the Society.
- 2. To research the present and past of the deprived people, teaching and organizing lectures, seminars, symposia, workshops, and other similar academic activities.
- 3. To engage in field research work relating to the contemporary problems and issues concerning SC/ST/Minority/Weaker Sections/Women/Transgender etc.
- 4. To supervise doctoral and post-doctoral students in research under the thrust areas of the Chair.
- 5. To coordinate and provide a think tank on the thrust areas of the Chair, drawing expertise and inputs from academic experts from other sectors like Government and other national/ international NGOs.







चौधरी चरण सिंह शोधपीठ

ध्येय वाक्यः खुशहाल किसान, समृद्ध भारत

समन्वयक–प्रो0 संतोष बिहारी शर्मा

दृष्टि (विज्ञृब)

• चौधरी चरण सिंह शोध पीठ को देश के आदर्श शैक्षणिक केन्द्र के रूप में स्थापित करना जिसमें उनकी नीतियों एवं विचारों पर विद्वान, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी सम्यक एवं गहन विचार विमर्श कर शोधपरक निष्कर्षों द्वारा देश को विकसित राष्ट्र बनाने में सहयोग प्रदान कर सकें। कृषि से जुड़ी समस्याओं पर गैर सरकारी संगठनों एवं किसान संगठनों हेतु संगोष्ठियाँ व कार्यशालायें आयोजित कर भारत सरकार की विभिन्न समाजोपयोगी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करना।

उद्देश्य (मिशन)

- भारत सरकार के संकल्प, ''विकसित भारत / 2047'' को पूरा करने में चौधरी चरण सिंह की सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक नीतियों एवं विचारों के योगदान विषय पर शिक्षकों, शोधार्थियों एवं छात्रों हेतु संगोष्ठियां व कार्यशाला आयोजित करना।
- चौधरी चरण सिंह के कृषि सुधार एवं किसानों की खुशहाली से जुड़े विचारों पर शोध को बढ़ावा देने हेतु समृद्ध

- पुस्तकालय स्थापित करना।
- 3. देश के आर्थिक विकास हेतु चौधरी चरण सिंह के विचारों एवं नीतियों का प्रचार—प्रसार करना।
- 4. चौधरी चरण सिंह के विचारों एवं नीतियों पर हो रहे शोध को संरक्षित कर जन—जन तक पहुँचाने हेतु वार्षिक शोध पत्रिका एवं अन्य पत्र—पत्रिकाओं का प्रकाशन करना।
- पीठ के अर्न्तगत शोधपरक निष्कर्षों को कृषि व किसानों के हितों से जुड़ी नीति निर्धारक नियामकों से समन्वय स्थापित करना।
- 6. चौधरी चरण सिंह की नीतियों के प्रति छात्रों में जागृति एवं आकर्षण पैदा करने के उद्देश्य से उनके विचारों पर आधारित मृत्य वृद्धि पाठयक्रमों का संचालन करना।

पीठ द्वारा संपन्न कार्यक्रम

पीठ द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती पर दिनांक 23 दिसम्बर, 2023 को विश्वविद्यालय के खंदारी परिसर एवं पालीवाल पार्क परिसर में दो अलग—अलग कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिसमें उपस्थित वक्ताओं ने उनकी नीतियों पर प्रकाश डाला। इन कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।







Educit Surpeeth

Coordinator-Dr. Neelam Yadav

- Surdas was a 16th-century blind Hindu devotional poet and singer known for his works written in praise of the deity Krishna. He was a Vaishnava devotee of Krishna, and he was also a revered poet and singer. His compositions glorified and captured his devotion to Krishna. Most of his poems were written in the Braj language, while some were written in other medieval Hindi dialects, like Awadhi.
- There are many theories about Surdas, but most popularly, he is said to have been blind from birth and during his time, lived another saint by the name of Vallabha. Vallabha was the founder of the Pushtimarg Sampradaya, and his successor, Vitthalanatha, had selected eight poets who would help him to further spread the glory of Krishna, by composing works of music. These eight poets were known as the "Astachap", and Surdas is believed to be the foremost among them due to his outstanding devotion and poetic talent.
- Surdas is best known for his composition the Sur Sagar. The book Sur Sagar (Sur's Ocean) is traditionally attributed to Surdas. However, many of the poems in the book seem to be written by later poets in Sur's name. The Sur Sagar in its present form focuses on descriptions of Krishna as the lovely child of Gokul and Vraj, written from the gopis' perspective.
- Purpose of the Surpeeth: keeping in view the treasure of Sur compositions in Hindi Literature Surpeeth was established to conduct research from various perspectives on the work of Surdas to preserve and cultivate Brajbhasha in the work of Sur creations and ancient Indian Hindi Literature.

Scope: It opens the scope for the researchers

to work on different aspects of Surdas' work. Surpeeth, thus, provides the scope for research, conferences, seminars, and workshops concerning the work of Surdas from poetic, literary, and linguistic points of view.

Centre of Transdisciplinary Studies

Coordinator-Ms. Pallavi Arya

- Established in 2020, in the midst of the raging COVID-19 pandemic, Centre for Trans disciplinary Studies at the Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra is formed with the broad objectives of promoting the idea and culture of inter- and trans-disciplinary studies in the University. Traditionally, the academic structure of the University is divided into rather tightly demarcated departments, which hardly talk to each other, let alone collaborate academically with each other. However, the latest research in various fields have shown that transcending disciplinary boundaries is no longer an option – in order to carry out meaningful and impactful research with an aim to solve a realworld problem, interdisciplinarity and transdisciplinarity has become an absolute necessity. It has never been more so apparent than in the times the centre came into existence - in the middle of a crippling pandemic. The pandemic has shown that a huge number of researchers from different areas of expertise - epidemiologists, virologists, doctors, biologists, social scientists, statisticians, computer scientists linguists and computational linguists and a whole range of experts from various other fields - have contributed in handling, controlling and bringing the pandemic under control efficiently and effectively. Without the collaboration of all these experts from all these different fields of study and expertise, it would have been plainly impossible to handle and deal with the pandemic in an efficient and effective way that it is currently being dealt with in most parts of the globe.
- But, of course, the power of transdicsi-plinary studies have been known to academia since long

- and not a by-product of the pandemic. The idea of this centre is to develop a platform where multiple disciplines could come together seamlessly and work together as one unit towards solving a common problem. The centre will allow different departments to come together and propose programs of study that require expertise from different disciplines without the need of interfering with the traditional roles that individual departments play and the way they function. Thus it will serve as a meeting ground outside of the traditional and formal setup of 'disciplines' in the University.
- The centre will allow for any program of study and research that would require 2 or more departments from the University to collaborate, ideally but not necessarily, in equal proportion (in terms of distribution of workload, courses and learning objectives of the students) and by doing so strives to solve some of the most vexing problem facing the humankind today.
- **Scope:** The centre allows for any program of study and research that would require 2 or more departments from the University to collaborate, ideally but not necessarily so, in equal proportion (in terms of distribution of workload, courses and learning objectives of the students).
- The centre started with the following flagship program Master of Science in Computational Linguistics This program is being jointly offered by the following departments of the University-
 - Department of Linguistics [K.M. Institute of Hindi and Linguistics] Coordinating Department.
 - Department of Mathematics [Institute of Basic Sciences] – Co-coordinating Department.
 - Department of Statistics [Institute of Social Sciences] Co-coordinating Department.
 - Department of Computer Science [Institute of Engineering and Technology]
 Co-coordinating Department
- However, the scope of the centre extends beyond this one program and in future more

innovative, industry-oriented and multidepartmental programs may be introduced. Some such programs may include programs on

- Data Sciences
- Digital Humanities
- Artificial Intelligence
- Any other program of interest

Administrative Structure of the Centre

- The centre will have a completely decentralised structure with most of the administrative and financial powers with respect to a specific program with the Program Director of individual programs. If a centre-level decision has to be taken then that will be jointly taken by all the program directors and coordinators of all the programs running in the centre (by majority voting, in case of disagreement). However, the decision related to programs of study to be started at the centre will be taken by the individual participating departments and may be approved by the competent bodies of the University.
- The Academic Committee of each program will consist of the following, with the chair of the academic committee of the coordinating department as the ex-officio chair of the programme's committee—
 - All members of academic committee of the coordinating department/institute.
 - Program Director and Coordinators from all the collaborating departments.
 - At least one or maximum two members from each of the collaborating industry and academic partners.









Pandit Deendayal Upadhyaya Shodh Peeth

Coordinator-Dr. Manoj Rathore

- Pandit Deendayal Upadhyaya was an influential Indian philosopher, economist, sociologist, historian, journalist, and political activist. He was born on September 25, 1916, in the small village of Nagla Chandrabhan near Mathura, in present-day Uttar Pradesh, India. His upbringing was marked by modesty and a deeprooted connection to Indian culture and traditions. From a young age, Upadhyaya displayed intellectual curiosity and a passion for social service.
- Upadhyaya's political awakening occurred during his student years, where he became increasingly involved in nationalist movements and social activism. Inspired by the ideals of Mahatma Gandhi and Swami Vivekananda, he

was drawn towards the concept of serving humanity selflessly. His encounters with prominent political leaders and thinkers further fueled his passion for social reform and national resurgence.

- The seminal contribution of Pandit Deendayal Upadhyaya to Indian political thought lies in the formulation of Integral Humanism. Integral Humanism, as articulated by Upadhyaya, emphasizes the integral development of individuals and society, balancing material progress with spiritual and cultural values. Central to Integral Humanism is the principle of Antyodaya, which advocates for the upliftment of the most marginalized and downtrodden sections of society. Upadhyaya envisioned a society where every individual, irrespective of caste, creed, or socio-economic status, could realize their full potential and contribute to the collective welfare. This concept reflects Upadhyaya's commitment to social justice and inclusive growth.
- Pandit Deendayal Upadhyaya played a pivotal role in the formation and growth of the Bharatiya Jana Sangh (BJS), a political party founded in 1951 with the aim of promoting cultural nationalism and Hindutva ideology. Upadhyaya's leadership and organizational skills were instrumental in consolidating the party's base and expanding its influence across the country.
- In addition to his political activism, Pandit Deendayal Upadhyaya made significant contributions to economic thought, particularly in the context of India's development trajectory. He advocated for economic self-reliance and decentralization, rejecting both capitalist and socialist models as inadequate for India's unique socio-economic conditions. Upadhyaya stressed the importance of indigenous industries, agricultural growth, and rural development as pillars of economic progress.
- Pandit Deendayal Upadhyaya stands as a towering figure in Indian political thought, whose ideas continue to reverberate through the corridors of power and the hearts of millions. His philosophy of Integral Humanism, rooted in the synthesis of material progress and spiritual

values, offers a compelling vision for the future of India. As the architect of a socio-political ideology that places human dignity and welfare at its core, Upadhyaya's legacy endures as a guiding light for generations to come, inspiring leaders and citizens alike to strive for a more just, inclusive, and prosperous society.

About

• This Deendayal Upadhyaya Shodhpeeth was established in the financial year 2018-19 at Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra. Currently, Dr. Manoj Kumar Singh is the coordinator of this Peeth.

Objectives

- Pandit Deendayal Upadhyaya Shodhpeeth stands as a beacon of academic excellence and cultural resurgence, guided by the profound vision and principles of Pandit Deendayal Upadhyaya. Apart from the core objective to create awareness and engage in research on ideas and works of Pt. Deen Dayal Upadhyaya some other key objectives are-
 - 1. **Promoting Research Excellence:** To foster a culture of research excellence across various disciplines, including philosophy, social sciences, economics, politics, and culture. It aims to provide a platform for scholars to engage in rigorous academic inquiry and produce high-quality research output.
 - 2. Advancing Integral Humanism: As Pandit Deendayal Upadhyaya was a proponent of Integral Humanism, the Peeth endeavors to advance this philosophical framework through scholarly research and academic discourse. It aims to explore the practical implications of Integral Humanism in addressing contemporary socio-economic and political challenges, with a focus on promoting human dignity, social justice, and holistic development.
 - 3. Encouraging Interdisciplinary Collaboration: The Peeth encourages inter disciplinary collaboration among scholars from different fields and disciplines. It aims to facilitate dialogue and exchange of

ideas across diverse academic domains. fostering innovative approaches to addressing complex societal issues and challenges.

- 4. Engaging with Policy and Governance: In line with Pandit Deendayal Upadhyaya's vision of serving society through active engagement with policy and governance, the Peeth aims to contribute to evidence-based policy formulation and decision-making. It seeks to disseminate research findings and recommendations to policymakers, government agencies, and other stakeholders, with the goal of informing policy initiatives that promote the welfare and development of the nation.
- In essence, the objectives of the Pandit Deendayal Upadhyaya Shodh Peeth reflect a commitment to advancing knowledge, preserving cultural heritage, promoting philosophical ideals, and contributing to the holistic development of society, in accordance with the vision and principles of Pandit Deendayal Upadhyaya.

Vision and Mission

• The vision and mission of Pandit Deendayal Upadhyaya Shodh Peeth are deeply rooted in the principles and ideals espoused by Pandit Deendayal Upadhyaya himself. The vision and mission of the Pandit Deendayal Upadhyaya Shodh Peeth is to emerge as a preeminent center of excellence for research, scholarship, and intellectual discourse, dedicated to advancing knowledge, preserving cultural heritage, and promoting holistic development rooted in the principles of Integral Humanism. Inspired by the visionary ideals of Pandit Deendayal Upadhyaya, the Peeth aspires to be a catalyst for social transformation, fostering a deeper understanding and appreciation of India's cultural, philosophical, and spiritual heritage while contributing to the creation of a just, inclusive, and prosperous society.

Program Organized:

Lecture Delivered by Prof. Arunoday Bajpai on the birth anniversary of Pt. Deen Dayal Upadhyay.







डॉ. मीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा महिला प्रकोष्ठ

माननीय कुलपति प्रोफेसर आशु रानी जी के कुशल नेतृत्व में डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में महिलाओं और छात्राओं की समस्याओं के समाधान और निवारण हेत दिनांक 2 नवंबर, 2022 को महिला सेल गठित किया गया। विश्वविद्यालय में महिला सेल का गठन शिक्षिकाओं . महिला कर्मचारीयों तथा छात्राओं की समस्याओं के निदान व उनके सर्वागीण विकास और उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करने हेतु किया गया है।

संरचना

























द्रष्ठि (विज्ञुब)

• डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के परिसर में लैंगिक समानता और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देना। एक ऐसा समावेशी विश्वविद्यालय बनाना जहां सभी छात्र—छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों को समान अवसर, सम्मान और सुरक्षा प्रदान की जाए। साथ ही, महिलाओं को शिक्षा, नेतृत्व और सामाजिक विकास में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाना।

उद्देश्य(मिशन)

- विश्वविद्यालय पिरसर में महिलाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण बनाना।
- लैंगिक संवेदनशीलता और जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित करना।
- महिलाओं को शिक्षा और कौशल विकास के अवसर प्रदान करना।
- महिला उद्यमिता को बढ़ावा देना और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना।
- महिलाओं के खिलाफ भेदभाव और हिंसा के मामलों में सहायता और कानूनी सलाह प्रदान करना।
- महिलाओं के अधिकारों और कल्याण के मुद्दों पर शोध और जागरूकता को बढावा देना।
- विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ मिलकर लैंगिक—समता नीतियों को लागू करना और उनका अनुपालन सुनिश्चित करना।
- छात्राओं और महिला कर्मचारियों के नेतृत्व कौशल को विकसित करना और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करना।
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान के रूप में पहचान स्थापित करना।

महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित प्रमुख कार्यक्रम

महिला यौन उत्पीड़न समस्या व समाधान पर कार्यशाला

 डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की ओर से सेठ पद्मचंद संस्थान में 17.12.22 को महिला यौन उत्पीड़न समस्या व समाधान पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. आशु रानी की अध्यक्षता में हुई।





उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्या निर्मला दीक्षित ने महिलाओं को आत्मसम्मान और स्वाभिमान के लिए निर्भीकता व निङरता से जीवन के पथ पर चलने की आवश्यकता बताई। वरिष्ठ अधिवक्ता सिविल कोर्ट नम्रता मिश्रा ने कहा कि वि.वि. में महिला सेल का गठन होना एक अच्छी पहल है।

स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन

• डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के महिला प्रकोष्ट एवं हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 02.02.2023 को स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के जुबली हश्वल में किया गया। जाँच शिविर का लगभग 300 से ज्यादा छात्राओं ने लाभ उटाया। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय की शिक्षिकाओं एवं महिला कर्मचारियों ने भी स्वास्थ्य जाँच शिविर में आंखों की जाँच, रक्त जाँच, ब्लड प्रेशर जाँच एवं अन्य बीमारियों की जाँच निशुल्क करायीं। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रतिकुलपित प्रो. अजय तनेजा द्वारा किया गया।







जिला कारागार, आगरा में मजन-संध्या का आयोजन

- दिनांक 30.03. 2023 को महिला प्रकोष्ठ डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा जिला कारागार, आगरा में महिलाओं हेतु गायत्री परिवार के सहयोग से ''भजन संध्या'' का आयोजन किया गया। जिला कारागार में बंद 140 महिला को रामनवमी के उपलक्ष में भजन संध्या के माध्यम से प्रेरित करते हुए समाज की मुख्यधारा से जोड़कर रामनवमी का उत्सव मनाने का एक प्रयास विश्वविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ के द्वारा किया गया।
- भजन—संध्या के उपरांत महिला प्रकोष्ठ डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की ओर से 140 बंदी महिलाओं एवं उनके साथ रह रहे 14 बच्चों को आवश्यक सामग्री, लेखन सामग्री एवं खिलौने वितरित किए गए। भजन गायन में बंदी महिलाओं ने भी सुंदर भजन गाकर अपनी प्रतिभागिता पूर्ण रूप से जताई। भजन—संध्या कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की कुलपित प्रो. आशु रानी जी ने किया।





लोगो तथा टैगलाइन प्रतियोगिता का आयोजन

• डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के महिला प्रकोष्ठ (वूमेन सेल) के द्वारा माननीय कुलपित प्रो. आशु रानी जी के संरक्षण में विश्वविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ ने दिनांक 20 .09.2023 को लोगो तथा टैगलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता को संस्कृति भवन लिलत कला संस्थान में आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 75 विद्यार्थियों ने नामांकन कराया व प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता के श्रेष्ठ टैगलाइन के विजेता लिलत कला संस्थान की छात्रा प्रगति तिवारी तथा श्रेष्ठ लोगों के विजेता छात्र दिव्यांश रहे।







Academic Activities

Detail of Conference / Seminar / Invited Talk/ FDPs Organized

• Seth Padam Chand Jain Institute organized a discussion on the occasion of Ganesh Chaturthi



in collaboration with Hindustan News Paper on 18.09 2023. Lord Ganesha is regarded as a Management Guru. There are several lessons which can be learned from the life of ganesha. There are various mythological stories in which we have listened that how ganesha managed different difficult situations of life. Realizing the relevance of Ganesha's thoughts in management is beneficial for the scholars of management. Realizing the importance of Ganesha in management,

• One day workshop has been organized by the institute Seth padam Chand Jain on 22.07.2023 on the Topic "Universal Human Values & Professional Ethics with an objective of developing harmony among all four levels of life.



• In the institute of Seth Padam Chand Jain a lecture on "Career Success Mantra" has been delivered by Industrial Consultant Mr. Harendra Pal Singh on September 29.09.2023. With the help of practical examples he explained that how strong will and constant efforts will make you successful.

- Dr. Seema Singh conducted a training session on the topic "Time Management" on 24.09.2023 for executives and staff of The New India Assurance Company Ltd at the Divisional office, Rishikesh.
- The Department of Mechanical Engineering organized the Experts' Talk under the event of the Automobile Club on 24.07.2023.
- The Department of Mechanical Engineering organized the event of the Auto CAD Club on 31.07.2023. The objective of this activity is to get the students aware of the funding opportunities for early-stage entrepreneurs.
- Institute of Social Science organized a seminar on "Career Counselling" on 18.07,2023.
- Department of Biotechnology School of Life Sciences, Khandari Campus organized an invited lecture on 15.07.2023 by Dr. Hirawati Deval, Scientist E, ICMR-RMRC, Gorakhpur on 'Dengue: Epidemiology and Diagnosis'..



 Department of Botany and Bio-Chemistry, School of Life Sciences, Khandari Campus organized an invited lecture on 15.07.2023, by Dr. Aswini Kumar, Former Head of the department and Professor of Botany, University of Rajasthan, Jaipur delivered lecture on "Biochemistry of next generation Biofuels for Climate Change Mitigation".



• Institute of Tourism and Hotel Management organized symposium on the theme, 'Tourism & Green Investment' on the occasion of World Tourism Day on 27.09.2023.



• दीनदयाल उपाध्याय संस्थान ने ''पं0 दीन दयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता एवं समसामयिक राजनीतिक परिदृश्य'' पर एक व्याख्यान आयोजित किया जिसमें प्रो0 अरूणोंदय बाजपेयी जी ने अपना व्याख्यान दिया।





Invited Lectures/Resource Person

S. No.	Name of Faculty	Title of invited Lecture	Date	Conference Detail
1.	Prof. Sanjeev Kumar	A Blood Flow Problem Through Stenosis: A Mathematical Model.	21.08.2023	ICIAM-2023, Tokyo, Japan, August 20-25, 2023.
2.	Prof. Sanjeev Kumar	Analysis of Blood through Multiple Stenosis in a Narrow Artery.	17.08.2023	Interdisciplinary AMMCS Conference series, Waterloo, Canada. August 14-18, 2023.
3.	Prof. Manu Pratap Singh	"Machine Learning and its Applications"	04.07.2023	International Conference on Information, System and Convergence Applications 2023 at Tashkent, Uzbekistan
4.	Prof. Manu Pratap Singh	Machine Learning and Quantum Computing Techniques.	12.09.2023	Short-term Course on Data Science Using Language & tools for multidisciplinary domains by UGC, HRDC, Sagar, India
5.	Prof. Manu Pratap Singh	Computational Techniques for AI and Data Science Applications	July 25-31, 2023	Training Program organized by Dept of Computer Science & Centre for Artificial Intelligence, Banasthali Vidhyaoith, India
6.	Dr. Neelam Yadav	इन्टरनेट, सोशल मीडिया और बच्चों में बढ़ती उग्रता	29.09.2023	All India Radio AIR, Agra
7.	Dr. Ranjeet Bharati	वर्तमान में महिलाओं के संदर्भ में इन्टरनेट की उपयोगिता	26.09.2023	All India Radio AIR, Agra

Patent/s

S. No.	Name	Title of the Invited published/Designed	Publication Date	Design No.	Application No./Certificate No.
1.	Prof. V.K. Saraswar	Device for wireless transaction Security	15.09.2023	395202-001	147485

Project/s

S.No.	Name	Project	Funding Agency	Amount
1.	Prof. R. K. Agnihotri	Nutritional and Livelihood Security of Small-scale Farmers of Braj Region through Vetiveria and Desmostachya Using Biotechnological Tool. (1st installment sanctioned)	Research and Development Program, U.P. Govt.,	3,47,600/-
2.	Community Radio	"Empowering Adolescents through Community Radio to Strengthen the Intensified Diarrhea Control Fortnight and Routine Immunization Program through Intensified Mission Indraadhanush program" AKAAR Phase-4 (June & Aug 2023 to Oct 2023)	Shranam Sewa Samiti and UNICEF.	60,000/-

Research Paper Publication/s

~							
S. No.	Author/s	Title	Journal Name	Month, Vol., Page No.			
1.	Ms. Priya Yadav & Prof. Achla Gakkhar	Socioeconomic status Associated with body mass index of females residing in slum areas	Indian Journal of Applied and Pure Biology, (A Web of Science Journal)	September, 2023 ISSN:38 (3), 1346-1352			
2.	Dr. Neelam Yadav	Research Methods in Applied Linguistics	Akshar Warta: International Peer Reviewed & Refereed Research Journal. ISSN:2349- 7521	Vol 19, Issue-09, July2023, Pg no. 122-126			
3.	Dr. Neelam Yadav	Compound Verbs in Kashika: Bhojpuri Spoken in Varanasi	Language in India, www.languageinindia.com ISSN 1930-2940	Vol. 23: 9, Sept. 2023, pages, 39-56			
4.	Dr. Ranjeet Bharati	Study of the Registers in Advertising Language on Different Linguistic Levels	Shikshan Sanshodhan: Journal of Arts, Humanities and Social Sciences Monthly, Peer- Reviewed, Refereed, Indexed Journal, Impact Factor: 6.471 with ISSN: 2581-6241	Volume - 6, July, 2023, page 45-50			
5.	Dr. Ranjeet Bharati	''संस्कृत शिक्षण में व्यतिरेकी भाषाविज्ञान की उपयोता''	Bohal Shodh Manjusha is an International Multidisciplinary International peer Reviewed, Refereed Multidisciplinary & Multilanguages Research Journal, with Impact Factor 7.523	Vol. 18 issue-1(2), July, 2023 page 11-15			
6.	Dr. Ranjeet Bharati	''तकनीकी पाठों का अंग्रेजी–हिन्दी अनुवाद''	'Gina Shodh Sangam', Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal, Impact Factor: 4.553 with ISSN: 2321-8037	Vol. 11, Issue; 9-10, September-October, 2023, page 16-20			
7.	Priya Yadav, Nibha Rathore, And Bhupendra Swarup Sharma	Review on Assessment of Fine Particulate Matter and its Inimical Impact on Environment and Human Health in Agra	International Journal of Research And Analytical Reviews (IJRAR) ISSN,2348- 1269,P-ISSN :2349-5138	October 2023, Volume 10 Issue No. 4 Page No. 359-375			

8.	Gyan Paudel & Sanjeev Kumar	On Sequence Space of Fuzzy Real Numbers Defined by Orlicz Function and Paranormal.	Journal of Jilin University	Vol. 42, No. 2 (2023)
9.	Ahmad Z., Shaheen A., Wasi A., Rehman S., Tahseen S., Rama krishnan M., Anamica Upadhyay, Ganie I. Bashir., Anwar Shahzad, Ding Y.	Biotechnological Intervention and Withanolide Production in Withania Coagulans	Journal- Agronomy	28.07.2023 Vol. 13:1-22.
10.	Manish Dixit, Piyush Singhal, Pushpendra Yadav, Nonihal Singh Dhakry	Study on Effects of Additive Manufacturing Process Conditions on Part Properties for Engineering Applications	E3S Web of Conferences ISSN: 2267-1242	September, 430, 2023
11.	Nagendra Singh	A Study of Rice Straw Composites- Based Adhesive System Using Agriculture Waste	International Journal of New Innovations in Engineering and Technology ISSN: 2319-6319	September Volume 430, 2023
12.	Dr. Shardool Mishra	Rishabhdev evam tatvasambhandhit chitro ki pristhbhumi me ankit prakratik roop	Artistic Narration Vol-XIV, NO.1	June,2023
13.	Dr. Shardool Mishra	Utter Madhy Kalin Jain Pothi Chitran Me Risfabhdev Ka Roop Soundarya	Shodh Drishti, Vol – 14, NO.6.1, ISSN : 0976-6650	June,2023

Book Chapter/s

S. No.	Author/s	Title	Journal Name	Month, Vol., Page No.
1.	Archana Singh, Nidhi	"Nutritional Composition and Various Medicinal Property of Curry Leaves (Murraya koenigii)"	Current Research in Food Science Volume– 04, Dt.22.06.2023	Integrated Publication
2.	Mr. Devashish Ganguly	Bhartiya sangeet ke prachar- prasar ke vibhinna madhyamo ka yogdan	Adhbhut Bharat (Rashtra Bhasha offset ISSN:	ISBN:978-81-960 495-4-6, Page no (52-55) Vol-3 August 2023,

Book Publication/s

S. No.	Author/s	Title	Publisher	ISBN	Month, Vol., Page No.
1.	Dr. Rajesh Kushwaha	सामुदायिक विकास एवं सामाजिक क्रिया	यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, नई दिल्ली	978-93-92516-82-5	August, 2023
2.	Dr. Ganesh Kushwah	Moortikala ki Takneek aur Saamagree	Notionpress	AISN: B0CGRNSF97	August, 2023

Awards/Recognitions

S.No.	Name of Faculty	Name of Award	Issuing Authority	Received on Date
1.	Prof. Manu Pratap Singh	Chaired Session	International Conference on Information, System and Convergence Applications July 3-6, 2023, Tashkent, Uzbekistan	6.07. 2023
2.	Mr. Devashish Ganguly	Aadarsh guru	Sangeet kala kendra, Agra	30.07.2023

3.	Ms. Pratibha Rashmi	Technical Coordinator for Workshop	Universal Human values toward Holistic, Value-based Education Under the Aegis of Human Value Cell, July 22, 2023	22.07.2023
4.	Manish Dixit	Robotics	NPTEL	July-September.
5.	Nagendra Singh	Welding Application Technology	Swayam NPTEL	July-September 2023
6.	Nagendra Singh	Manufacturing Processes Casting and Joining	Swayam NPTEL	July-September 2023
7.	Nagendra Singh	Reviewer of the International journal of industrial and management system	Science Publication Group	20 August 2023

Ph.D. Awarded

S.No.	Name	Subject	Supervisor Name	Date
1.	Richa Srivastava, Institute of Social Science, Campus, Agra	Sociology	Prof. Md. Arshad, Agra	12.09.2023
2.	Shailendra Kumar, History Deptt. Dr. B. R. Ambedker University	History	Prof. B. D. Shukla, Agra	25.09.2023
3.	Rati Verma, K. M. I., Dr. B. R. Ambedker University, Agra	Hindi	Prof. Pradeep Shridhar, Agra	25.11.2023

Paper Presentations in Conference and Seminars

S.No.	Participant's Name	Title of the Paper Presented	Date	Conference Detail
1.	Archana Singh & Indu	Biochemical Properties of Soybeans and Their Impact On Human Diseases	December 18-19, 2023	International Conference On Recent Global Innovations, Challenges And Trends In Multidisciplinary Research (Icrgict Hybrid-2023) B.B.D. Government Degree College, Chimanpura (Shahpura) Jaipur, (Rajasthan)
2.	Priya Yadav, Nibha Jadon and Bhupendra Swarup Sharma	Evaluation Of Toxic Trace Elements In Atmospheric Fine Particulate Matter And Their Influence On The Environment And Human Health Near Itmad-Ud-Daulah, Agra.	1 October 6-8, 2023	International Conference On Integrative Chemical Science For Health And Environment (ICHE) 2023, Deshbandhu College, University Of Delhi, New Delhi.
3.	Astha Tomar And Bhupendra Swarup Sharma	Study Of Fine Particulate Pollution During Firework Festival "Diwali" At A World Heritage Site-Taj Mahal Agra	October 6-8, 2023	International Conference On Integrative Chemical Science For Health And Environment (ICHE)2023, Deshbandhu College, University of Delhi, New Delhi
4.	Anjali Bhardwaj	A Difference- Cum- Exponential Estimator for Estimating Population Mean Using Two Auxiliary Variables in Stratified Random Sampling	September 10, 2023	International Conference on Multidisciplinary Research (2.0)" organized by Tamil Nadu Teachers Education University and Dakshin Dinajpur D.Ed. College

5.	Udita Gupta	A New Efficient Estimator Of Finite Population Mean For Dealing Response In Survey Sampling	September 10, 2023	International Conference on Multidisciplinary Research (2.0)" organized by Tamil Nadu Teachers ducation University and Dakshin Dinajpur D.Ed. College
6.	MS. Jagrati Asija	Impact of Hybrid work model on employee performance	September 18, 2023	5th Multidisciplinary National Conference on Pre and Post-Doctoral Research in India
7.	Ms. Shweta Gupta	Cloud Computing in the Banking Industry: Advantages and Challenges	September 18, 2023	5th Multidisciplinary National Conference on Pre and Post- Doctoral Research in India
8.	Dr. Ruchira Prasad	A comparative Study of Investment Pattern of Working and Non- Working Women in Mutual Funds	September 18, 2023	5th Multidisciplinary National Conference on Pre and Post- Doctoral Research in India
9.	Dr. Swati Mathur	Green Marketing –Issues and Challenges	September 18, 2023	5th Multidisciplinary National Conference on Pre and Post- Doctoral Research in India

Participation in FDP/Workshop/Short Term Training Program

S.No.	Participant's Name	Title	Date	Organized By	
1.	Prof. Vineeta Singh	International Webinar titled "Data Visualization using Tableau"	18.09.2023	Department of Research & Publications, A2Z Edu-Learning Hub LLP, Kerala	
2.	Prof Archana Singh	Universal Human Values and Professional Ethics	22.07.2023	Human Value Cell, Dr. B.R. Ambedkar University, Agra	
3.	Dr Neelam Yadav	International FDP on Artificial Intelligence: Challenges and Opportunities in Research and Education (Multidisciplinary)	September 20-26, 2023	Organized by Govt. Degree College Kulgam Jammu & Kashmir, India (www.gdckulgam.edu.in) in collaboration with Cape Comorin Trust, India (www.capecomorintrust.org)	
4.	Ms. Pratibha Rashmi	AI for Building Speech and Vision Applications Using Python	August 21-25, 2023	Galgotias College of Engineering and Technology (GCET, Gr. Noida)	
5.	Ms. Pratibha Rashmi	Shiksha Manthan-2023	July 8-9,2023	Shri chaatrapati shahu ji maharaj university, Kanpur	
6.	Ms. Pratibha Rashmi	Universal Human values toward Holistic, Value-based Education Under the Aegis of Human Value Cell	22.07.2023	Seth Padam Chand Jain Institute of Management Khandari Agra	
7.	Dr. Ranjana Gupta	International Webinar titled "Data Visualization using Tableau"	18.09.2023	Department of Research & Publications, A2Z Edu-Learning Hub LLP, Kerala	
8.	Dr. Ranjana Gupta	E-workshop on Data-Analysis with 'R' Programming	July 29-30, 2023	Organized by Commacad	
9.	Rajat Kumar Pachauri	AI Tools for Academic Research	05.07.2023	Department of Research & Publications, A2Z Edu-Learning Hub LLP	

10.	Rajat Kumar Pachauri	Applications of Chat GPT in Academics and Research	17.09.2023	Department of Research & Publications, A2Z Edu-Learning Hub LLP	
11.	Manish Dixit	Robotics	Jul. to Sep. (8 Weeks), 2003	NPTEL-AICTE	
12.	Nagendra Singh	Welding Application Technology	July 29 to 18 Sept. 2023 (8 Weeks)	NPTEL-AICTE	
13.	Dr. Pramod Kumar	One Week International Virtual Faculty Development Program (FDP) on "Research Writing and Research Design"	July 25-31, 2023	Department of English, Manav Rachana International Institute of Research and Studies, Faridabad, Haryana, India, and Cape Comorin Trust, India	
14.	Dr. Pramod Kumar	One Week International Virtual Faculty Development Program (FDP) on "Artificial Intelligence: Challenges and Opportunities in research and Education"	September 20- 26, 2023	Govt. Degree College, Kulgam, J&K, India, and Cape Comorin Trust, India	
15.	Dr. Pramod Kumar	One Week National Virtual Faculty Development Program (FDP) on "NAAC Assessment and Accreditation: Procedures and Processes"	July 25-31, 2023	Department of English, Manav Rachana International Institute of Research and Studies, Faridabad, Haryana, India, and Cape Comorin Trust, India	
16.	Dr. Pramod Kumar	One Week National Virtual Faculty Development Program (FDP) on "NAAC Assessment and Accreditation: Procedures and Processes"	September 11-17, 2023	A.C.T. Academy Tamil Nadu in Association with Academic and Research Conglomerate	
17.	Priya Yadav	Universal human values	22.07.2023	Human Values Cell, Dr. Bhim Rao Ambedkar University, Agra	
18.	DR. Shweta Chaudhary	Universal Human Values and Professional Ethics	22.07.2023	Human Value cell, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra	
19.	Dr. Mamta Bansal	Ganpati painting Workshop	23.09.2023	Lalit Kala Sansthan, D.B.R.A.U, Agra	
20.	Dr. Sheetal Sharma	Ganpati painting Workshop	23.09.2023	Lalit Kala Sansthan, D.B.R.A.U, Agra	

Social and Cultural Activities

- A student Induction Program was organized on 09.09 2023 to make the students aware of the institute and teaching-learning pedagogy. The importance of value education in developing harmonious relations in life has also been discussed.
- An Alumni meeting has been organized on 01.07.2023 to build rapport among the alumni and the current students.



• Department of Environmental Studies, School of Life Sciences, Khandari Campus, Agra hoisted the flag with faculty members and students on 14.08.2023 to follow the Campaign 'Har Ghar Tiranga'. The idea behind the initiative is to invoke the feeling of patriotism in the hearts of the people and to promote awareness about the Indian National Flag.



• Institute of Tourism and Hotel Management organized a plantation activity at Sanskriti Bhawan Campus on 22.07.2023. Faculty and students coordinated the event.

• IET organized Anti-ragging week Celebration from 12 Aug -18 Aug 2023.



- Institute of Home Science organized the Breastfeeding Awareness Program on 07.08.23.
- Institute of Home Science organized "Health Checkup Camp" on 18.07.23.
- University Community Radio 90.4 promoted the government campaign World Breastfeeding Week from 01 to 07, August 2023.



• दिनांक 29.08.2023 को उ० प्र० राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के द्वारा जनपद में यूथ फेस्ट कार्यक्रम के अन्तर्गत ड्रामा कम्पटीशन एवं रील मेकिंग गतिविधि का आयोजन खंदारी परिसर स्थित जे० पी० सभागार में विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो 90.4 ''आगरा की आवाज'' द्वारा माननीया कुलपति प्रो० आशुरानी की अध्यक्षता में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाँ० अरूण श्रीवास्तव के निर्देशन में जिला क्षय रोग अधिकारी डाँ० सुखेश गुप्ता द्वारा किया गया।





 विनांक 13.09.23 को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जनपद आगरा में विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो की टीम को मिला निक्षःय मित्र प्रशस्ति पत्र।



• University Community Radio organized programs under Intensified Mission Indradhanush (IMI 5.0) Government Campaign.



• दिनांक 26.09.2023 को डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो पर श्री श्रेयांश मंडलोई (क्षेत्रीय संगठन मंत्री, विज्ञान भारती (उ.प्र.)) का विज्ञान भारती पर साक्षात्कार लिया गया।



• On 26.09.2023 Community Radio participated in outreach activity, PHC, Sikandra regarding IMI Vaccination knowledge in ANM and ASHA.



• दिनांक 27.09.2023 को सामुदायिक रेडियो–90.4 आगरा की आवाज को अनुसंधान के क्षेत्र में ट्रांसफॉर्म हेल्थ, अंतर्राष्ट्रीय संगठन और काबूम सोशल इम्पेक्ट के द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।





आवाज को मिला प्रशंसा प्रमाण पत्र

डा . भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो 90 .4 आगरा की आवाज को बेहतर प्रदर्शन के लिए ट्रांसफार्म हेल्ब और काबूम सोशल इंपैक्ट द्वारा प्रशंसा प्रमाण एत्र दिया गया। बुधवार को कुलपति प्रो . आशु रानी ने सामुदायिक रेडियो की कार्यक्रम अधिकारी पूजा सबसेना को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। प्रति कुलपति प्रो . अजय उनेजा आदि मौजूद रहे • सौजन्य स्वयं

Sports' Activities / Students' Achievements of the Department

S.No.	Name of the Institute	Students' Name	Achievement	Year
1.	DDUI	Avanish Dubey	Appointment as a District Disaster Expert in Etawah, U.P.	2023
2.	IET Khandari Agra	Akriti Dev	NPTEL Swayam Certificate Introduction to Composites	July, 2023
3.	SPCJIM	Anurag Tiwari	Placed as Investment consultant I in VSERV Capital Services	July, 2023
4.	Statistics Department	Ritu Agarwal	UGC-NET	July, 2023

Others

- Faculty members and students of the Department of Botany, School of Life Sciences, Khandari Campus, participated in one day workshop on Dengue: "Epidemiology and Diagnosis" at the Department of Botany, SLS Khandari campus on 15.07.2023
- Faculty members of the Department of Botany, School of Life Sciences, and Khandari Campus participated in "Universal Human Value towards Holistic Value Based Education under the Aegis of Human Value Cell" on 22.07. 2023, organized by All India Council for Technical Education, New Delhi.
- Plantation and taging of medicinal and endangered plant species" in "Sur Udhyan" by the students of the Botany department.





- Alumini Interaction of Biochemistry Department on 30.08.2023
- The Training and Placement Cell of the university has organized Rozgaar Mela-2023 in association with Rozgaar Bharti and Regional Employment Office, Agra at JP Auditorium and Institute of Engineering and Technology, Khandari Campus, Agra on 17.09.2023. The chief guest of this event was Thakur Jaiveer Singh, Tourism and Culture Minister of Uttar Pradesh. In this event 3072 students have participated and 64 companies conducted the recruitment process. In this mega event of the year 898 students were shortlisted for the further process of recruitment/selection.





Students' Corner

Building Tomorrow: Nurturing Sustainable Cities for a Greener future

Our planet is at a turning point in its never-ending quest for growth, where the decisions we make now will determine the cities of the future. Building resilient and sustainable cities is more important than ever as urbanization picks up speed and the world's population rises. This



imperative's core ideas are summed up in the phrase "Building Tomorrow: Nurturing Sustainable Cities for a Greener Future"—a call to action, a dedication to environmental stewardship, and a vision for urban landscapes that flourish harmoniously with the environment.

Urban Centres are dynamic ecosystems where millions of people create their lives, goals, and aspirations. They are not just collections of steel and concrete. Acknowledging the critical role that cities play in the story of sustainable development, this investigation explores the various aspects of fostering urban ecosystems that go beyond conventional growth limitations. It invites us to see cities as living, breathing organisms that change and adapt to the ecological demands of the modern period rather than as immobile objects.

We should envisage a mission to discover how cities might act as catalysts for positive change via the perspective of sustainability. Intelligent urban planning, integration of renewable energy sources, and environmentally appropriate architecture form the cornerstones of sustainable green cities. Eco-conscious architects and planners suggest designs that seamlessly blend with the natural environment, minimizing the ecological footprint of urban structures. Energy-efficient structures, vertical trees, and rooftop gardens are examples of how the natural and urban worlds may coexist together.

The environmental issues of resource depletion, biodiversity loss, and climate change are all present during this tour and call for creative solutions and our combined attention. The fundamental notion of sustainability calls on us to strike a balance and rethink cities as forces for development that live in harmony with the natural world.

More than just a physical structure, "Building Tomorrow" is a mindset that supports waste minimization, energy-efficient building practices, and environmentally friendly design. It upholds the values of social justice and promotes inclusive urban design that puts the welfare of all citizens first. We navigate the complex web of laws, regulations, and community involvement required to promote a green renaissance in our cityscapes as we set out on this exploration. Cities have become a living entity, having a significant effect on the environment, the economy, and the quality of life for those who live in them. The pressing issue of climate change and our shared need to protect the environment have elevated the sustainable development of green cities to the top.

Namrata Tomar

Research Scholar (Political Science)
Pt. Deen Dayal Upadhyay Institute of Rural Development
Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra

"21वीं शताब्दी में ट्रांसजेंडरों के सामाजिक— कानूनी अधिकारों का अध्ययन

जब से सृष्टि में मनुष्य जीवन का जन्म हुआ है तब से इस समाज में समान लिंग के साथ ही भिन्न लिंग वाले व्यक्तियों का भी जन्म हुआ है जो जन्म तो सामान्य रूप से लेते है पर उनके जन्म के पश्चात उनके भीतर शारीरिक लिंग एवं व्यवहार आम लिंग जैसे महिला और पुरुष से भिन्न होता है। जिनका हाव भाव अपने लिंग के विपरीत



होता है उन्हें ही ट्रांसजेंडर कहा जाता है। इसमें ट्रांस मेंन, ट्रांस वुमन , जेंडर क्वीर एवं सामाजिक रूप नामित किन्नर–हिजड़ा शामिल होते है। इन समुदायों का जिक्र महाभारत से लेकर रामायण तक प्राप्त होते है।

महाभारत में शिखंडी पात्र, इरवानं अश्वर अरवानं आदि शामिल है। समाज इनको मुख्य धारा में शामिल नहीं करती है जिस कारण ये गरिमापूर्वक जीवन निर्वाह नहीं कर पाते है। इन्हें शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, आदि में उचित अवसर प्राप्त नहीं होते हैं। सदैव इनके साथ लिंग के आधार पर भेदभाव किया जाता है। भारत में जब संविधान लागू हुआ तो सबको समान अधिकार, स्वतंत्रता, न्याय, समानता के बंधनों में बांधा गया जो भारत के प्रत्येक नागरिक को समान संरक्षण एवं अवसर प्रदान करते हैं। भारतीय संविधान के विभिन्न भागों के विभिन्न अनुच्छेद में प्रत्येक नागरिक के लिए समान व्यवस्था की गई है। जैसे प्रमुख अनुच्छेद 14, 15, 16, 19, 21, 29, 32, 226 आदि। निम्न लिखित प्रावधानों के माध्यम से समाज में सबको समान अधिकार प्रदान किये गए है लेकिन ये हमारे समाज की प्रमुख विडंबना है कि आज भी तृतीय लिंग वाले समुदायों को छोटी—छोटी सुविधाओ से भी वंचित रहना पड़ता पड़ता है।

2011 के जनसंख्या आंकड़ों अनुसार भारत में तकरीबन इस समुदाय की संख्या 487803 है कुल जंसख्या का 0.04 के आस पास भारत में है। इतनी अधिक आबादी होने के बावजूद भी इनके अधिकारों को आज तक इन समुदायों तक नहीं पहुच पाया है वे आज भी समाज में अपने आपको मुख्य धारा में लाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे है। भारत में इन समुदायों की सबसे अधिक आबादी उत्तर प्रदेश 28.18:, आंघ्र प्रदेश 8.97:, बिहार 8.37:, पिश्चम बंगाल 6.22:, एवं तमिलनाडु 4.58: आदि है। 0–6 उम्र के ट्रांसजेंडेर बच्चों की संख्या सबसे अधिक उत्तर प्रदेश 34.15:, बिहार 10.89:, महाराष्ट्र 7.48:, आंघ्र प्रदेश 7.44: एवं मध्य प्रदेश 6.21: आदि। सबसे अधिक आबादी ट्रांसजेंडेरों की अनुसूचित एवं अनुसूचित जनजाति में पाई गई है। शायद इसलिए भी वे अपने अधिकारों की मांग करने में असमर्थ रहे है जिसका प्रमुख कारण वंचित जाति में जन्म लेना है क्योंकि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति स्वयं के अधिकरों को लेकर हाशिये पर रहे है। संविधान बनने के साथ साथ इन समुदायों के लिए कई सकारात्मक प्रयास किये गये है। वर्ष 2014 में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इस समुदाय को उनके अधिकारों एवं लैंगिक पहचान को मान्यता प्रदान की है।

सर्वोच्च न्यायालय ने जस्टिस के.एस. राधाकृष्णन और ए.के. सीकरी इन नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी बनाम भारत संघ व अन्य में पुरुष और महिला के साथ तीसरे लिंग को मान्यता दी। ट्रांसजेंडेर व्यक्तिद्ध अधिकारों का संरक्षणऋ अधिनियम 2019 में इन समुदायों के साथ हो रहे भेदभाव को पूरी तरह से समाप्त किया गया है जिसमे रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य प्रमुख रूप से शामिल है। कई राज्यों ने सरकारी नौकरी प्राप्त करने में आरक्षण की भी व्यवस्था की है जो एक सकारात्मक प्रयास है इन तरह के प्रयासों के माध्यम से ही इस समुदाय को समाज के मुख्य धारा में शामिल किया जा सकता है। हाल ही में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने ट्रांसजेंडेर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल का शुभारंभ किया है जिसके माध्यम से वे अपनी समस्याओ का समाधान प्राप्त कर सकते है। इन समुदाय के लोगों के निवास के लिए बहुत सारे गरिमा गृह की भी स्थापना की गई है। इन गरिमा गृहों में मनोरंजन के साथ साथ उच्च गुणवत्तापुर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। 2019 के ट्रांसजेंडेर अधिनियम में सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण पर अधिक जोर दिया गया है ताकि इस समुदाय को समाज की मुख्य धारा में शामिल किया जा सके। भारत में इस समुदाय के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में सुधार के लिए पूरे देश में ट्रांसजेंडर राष्ट्रीय परिषदों की स्थापना की जा रही है।

> प्रेम कुमार शोधार्थी राजनीति विज्ञान डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा

Media Glimpse







विवेकानंद इनक्यवेशन फाउंडेशन की तीन स्टार्टअप कंपनियों को निमंत्रण

जासं आगवः द्यः सीमराज आवेद कर विश्वविकालायः के विशेषानंतः इन्छम्ब्रीशनः पाउँदेशमा वीकाग्रयः के तानं स्टाटकाम कंपनियों को पांच दिवसीय वृत्ती इंटरनेशनता हैट शी से बाग लोगे के लिए निसीक्रा किया जाब छा तानं से मैं कंपनियों ने देट शी से बाग लिया है। इन्छम्द्रीयन पाउँदेशमा से पीयराक देवनेलाजीज प्रापुक्ते हिन्सिटेंट प्रस्मापनामा इंजीन्सिय प्रापुक्ति सिपिटेंट को मोजल सिला छ। हेट शी प्राप्तापनामा आप्रोप्तापनामा का इंजीन्सम् प्राप्तापनामा अप्रोप्तापनामा का इंजीन्सम् का हिट शी प्राप्तापनामा का

निद्धा का निर्माण

25 सिकंदर कह है हे और राष्ट्रपति

के निरुत्ता था करद्रपति

धीर सार-संस्थापक अधिकार शर्मा के अधिकार

धीर सार-संस्थापक अधिकार शर्मा के अधिकार

के अधिकार सीर्वाण के अधिकार

है कि उनकी

केरानों अस्याधानिक इंटरप्रिकटर

दर्ग केरानों अस्याधानिक इंटरप्रिकटर

दर्ग केरानों । इंटरप्रिकटर

स्थाना किसीरक का निर्माण करता

है। प्रस्पाणास्था के निदेशक और संस्थापक आध्या उपयेग भारदात के आधान

के उनकी केरानी करान सीर्वेक्स स्थापक अध्यापक कार्या के उपयेग भारदात के सार्वाण करता

हम्माण हम्माण करता

हम्माण हम्माण हम्माण करता

हम्माण हम्

एनजीओ ने युनिवर्सिटी में कराई ४०० कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच





प्रे. लक्कुज मिला, प्रे. यूपन शुक्ता, प्रे. सुगम आनंद, समन्त्रपक डॉ. रितंश कुमार और पल्लामें आर्थ, डॉ. प्रदीप वर्मा की उपरिवति स्ती। क्यूरें

आईईटी में हुआ एक दिवसीय स्टार्ट-अप उद्यमिता विकास जागरूकता अभियान का आयोजन



जारा जा ई. टी. वी स्पेपक अहेवत विश्वीवन्त, वर्धा के पेर, प्रमान के रिटी-आ जाराकान वर्धावन के आधीर विशेष्ण हमान के रार्ट-आ जाराकान वर्धावन के आधीर विशेषण्य हमाने स्थान के रार्ट-आ जाराकान वर्धावन के प्राथम के प्रायम क

सार सर्वियां विवि में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन



स्टार्ट अपको मिली सरकार से फंडिंग

अस्तान् अवेडकावित्यविकालः के होन्तिसीकी स्रोहंसी पहर स्ता के विकास अस्तेतर पहरीस के (इंप्यान) सहस्य निर्मिटेड एक इत्यानकार्यक्षण नाराज्य (१९५०) इत्यानकार्यक्षण नाराज्य (१९५०) वित्त को शिक्षण क्षान्यक क्षान्यकि क्योनकार्यक्षण क्षान्यक्षित क्योनकार्यक्षण क्षान्यक्षित क्योनकार्यक्षण क्षान्यक्षण क्षान्यक्षण क्षान्यक्षण क्षान्यक्षण क्षा कार्यक्र के के कर्राज्य कर्माना है। के द्वेत प्रकार में राज्य कर के बेट प्रकार महर्मियों के स्वार्थ के कार्यक्रमार की अपने कर के के बेट के कार्यक्रमार क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रा के स्वर्ध के क्रिक्स क्

शिविर में 400 लोगों की जांच

आगरा। हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन, आंबेडकर विवि की ओर से जुबली हॉल में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगा। संस्थापक अध्यक्ष सुमन सुराना ने बताया की विशेषज्ञों ने ईएनटी, त्वचा, हड्डी के साथ ही अन्य सामान्य जांच की। लगभग 400 से अधिक लोगों का परीक्षण किया गया। डॉ. शशिपाल सड़ाना, डॉ. गगन बंसल, डॉ. सीमा, डॉ. हरवीर सिंह चौहान, डॉ. सलोनी सिंह व अन्य रहे।

हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन के तत्वावधान में रवारथ्य जांच शिविर का आयोजन





महिलाओं को अन्याय के

खिलाफ लडना होगा